हनुमान जयंती पर राजधानी के हनुमान मंदिरों में हुए भव्य धार्मिक आयोजन, उमड़ा जनसैलाब

दुर्गा हनुमान मंदिर में हुआ 1100 चालीसा पाठ, महाआरती और भंडारा

भोपाल (काप्र)।

हनुमान जयंती के पावन अवसर पर राजधानी स्थित दुर्गा हनुमान मंदिर में शनिवार को भव्य धार्मिक आयोजन का आयोजन किया गया। श्रद्धा, आस्था और भक्ति से ओतप्रोत इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा।

सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं का आना आरंभ हो गया था। भक्तों ने हनुमानजी की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि और मंगल की कामना की। आयोजन की विशेषता रही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। 1100 बार हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ, जिससे संपूर्ण वातावरण रामभक्ति की भावना से सराबोर हो गया। मंदिर के पुजारी आचार्य केशव शास्त्री ने बताया कि, हनुमान चालीसा पाठ से मानसिक शांति, ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार होता है। इस सामूहिक पाठ ने भक्तों के भीतर भक्ति की एक नई चेतना का संचार किया है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत मंदिर समिति द्वारा प्रसाद वितरण और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों ने भंडारे की व्यवस्था को अत्यंत व्यवस्थित और समर्पित भाव से संपन्न किया। सायंकाल मंदिर परिसर में महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें दीपों की आभा, भक्ति गीतों की मधुरता और श्रद्धालुओं की सहभागिता ने आयोजन को दिव्यता से भर दिया। महाआरती के बाद पुनः प्रसाद वितरण किया गया। पूरे दिन चले इस आयोजन में श्रद्धालुओं की उपस्थिति और श्रद्धा ने यह सिद्ध कर दिया कि धार्मिक पर्व केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज में भक्ति, सेवा और सामूहिकता के भाव को मजबूत करने का माध्यम भी हैं। दुर्गा हनुमान मंदिर में संपन्न यह आयोजन न केवल भक्ति का पर्व बना, बल्कि सामाजिक एकता और आध्यात्मिक चेतना का भी प्रतीक रहा।

शहर में आयोजित कार्यक्रमों में सम्मिलित हुईं महापौर

हनुमान जयंती के अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय ने शहर के विभिन्न मंदिरों में आयोजित हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर विधिवत पूजा अर्चना की तथा भंडारों में प्रसादी वितरण भी किया।

महापौर श्रीमती मालती राय ने शनिवार को हनुमान जयंती के अवसर पर 05 नंबर स्थित श्री परशुराम मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित संगीतमय सुन्दरकांड एक शाम छींद वाले दादा जी के नाम कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पूजा अर्चना की व सुन्दरकांड का पाठ किया। महापौर ने चार इमली स्थित मेंहदीपुर बालाजी धाम श्री हनुमान मंदिर में आयोजित हनुमान जयंती कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पूजा अर्चना की साथ ही गोविंदपुरा बिजली कालोनी स्थित हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की और भंडारे में प्रसादी वितरण भी किया। वहीं, श्रीमती राय ने आनंद नगर स्थित श्रीराम मंदिर में आयोजित हनुमान जन्मोत्सव एवं भंडारा कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पूजा अर्चना की और प्रसादी वितरण भी किया। महापौर श्रीमती राय ने विजय मार्केट स्थित श्री कृष्ण मंदिर में भेल यादव महासभा द्वारा आयोजित हनुमान जयंती एवं भंडारा कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पूजा अर्चना की और भंडारे में प्रसादी वितरण भी किया। इस अवसर पर जोन अध्यक्ष राजेश चौकसे, पार्षद श्रीमती प्रियंका मिश्रा सहित श्रद्धालुजन मौजूद थे।

श्री पशुपतिनाथ मंदिर में हुआ संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन

श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज मंदिर गोविन्दपुरा में शनिवार को हनुमान की जयंती श्रद्धाभक्ति व हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। भक्तजनों का सुबह से ही मंदिर में तांता लगा रहा और बड़ी सख्या में लोगों ने पूजन में भाग लिया। मंदिर परिसर में संध्या समय भजन-कीर्तन कर हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कर भगवान श्री रामजी की भजन कर आरती उतारी गई। इस दौरान वड़ी सख्या में समाज व अन्य समाज के महिलाएं भजन में शामिल हुईं।

समाज के अध्यक्ष लोकमणी घिमिरे ने कहा कि हनुमान स्वामी भक्ति, परोपकार और निःस्वार्थ सेवा के अप्रतिम आदर्श है। सत्य और न्याय की प्रतिबद्धता के लिए जब भगवान विष्णु ने राम का अवतार लिया, भगवान शिव ने रूद्रावतार के रूप में पदार्पण किया और श्रीराम का मनोरथ पूर्ण करने में सहयोग दिया। विपत्ति ग्रस्त प्राणी जब भी हनुमान की शरण में जाते है, संकटों से मुक्ति मिलती है। हमें उनके चरित्र से सेवाधर्म को आत्मसात कर जीवन को सार्थक बनाना है।

इस दौरान श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज मंदिर गोविन्दपुरा के अध्यक्ष लोकमणी घिमिरे, समाज के पदाधिकारी सुरेश पाण्डे, शिव गुरुङ; श्रीमती माया पाण्डे, मनोज अर्याल, मोहन पाण्डे, श्रीमती पदमा भुर्तेल, श्रीमती निर्मला क्षेत्री, श्रीमती दिपकला बश्याल, किशोर अधिकारी, आकाश भटराइ, टंक मुखिया, श्रीमती तुलसा लुइँटेल सहित समाज के पदाधिकारी, पूर्व पदाधिकारी, प्रवंधन कमिटी, विभिन्न प्रकोष्ट के पदाधिकारी, महिला समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहें।

भगवान श्रीराम के रामराज्य की स्थापना में हनुमान जी का योगदान सदैव प्रेरणादायी

मुख्यमंत्री ने हनुमान जयंती की दी बधाई

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री हनुमान जयंती की सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि रामदूत श्री हनुमानजी की भक्ति, सेवा और समर्पण भाव से प्रेरित होकर हम विकसित भारत-विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प की सिद्धि में योगदान दें, यही प्रार्थना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हनुमान जयंती के पावन पर्व पर राजकीय विमान तल भोपाल स्थित श्री हनुमान मंदिर में दर्शन व पूजा-अर्चना कर जगत के कल्याण की प्रार्थना की। इसके बाद उन्होंने आगामी कार्यक्रमों के लिए प्रस्थान किया। मुख्यमंत्री ने मीडिया के माध्यम से प्रदेशवासियों के लिए जारी संदेश में कहा कि हनुमान जी अजर-अमर हैं। भगवान श्रीराम के रामराय की स्थापना में हनुमान जी का योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा। माता सीता का प्रेम, स्नेह और वात्सल्य पाकर उनकी आजीवन सेवा तथा असाधारण वीरता का हनुमानजी का संकल्प सभी के लिए प्रेरक है। महाभारत के युद्ध में अर्जुन बाण चला रहे थे, और भगवान श्रीकृष्ण सारथी थे, तब भी धर्म ध्वजा हनुमानजी ने ही धारण की थी। हर कष्ट, हर दुःख में सबसे पहले हमें हनुमानजी ही याद आते हैं। वे ही हमें बल, बुद्धि, पराक्रम, वीरता, ज्ञान, विनयशीलता जैसे मानवीय गुणों का वरदान प्रदान करते हैं। संकटमोचक हनुमानजी की कृपा सब पर बरसती रहे, यही प्रार्थना है।

एपी सिंह को कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी द्वारा डॉक्टरेट सम्मान

भोपाल (काप्र)।

कैम्ब्रिज डिजिटल यूनिवर्सिटी की सीनेट एवं नामांकन समिति द्वारा आँकलन उपरांत अवधेश प्रताप सिंह प्रमुख सचिव, मध्य प्रदेश विधानसभा को उनके अपनी संस्था के साथ देश व मानवता की सेवा हेतु उत्कृष्ट योगदान,कर्तव्य निर्वहन के प्रति समर्पण आदि को सराहते हुए प्रशासन के क्षेत्र में मानद डॉक्टरेट सम्मान के योग्य पाये जाने से यह उपाधि शनिवार को नई दिल्ली में गरिमा मय अंतर्राष्ट्रीय समारोह में प्रदान की गई।

जो बड़े होकर लघु बन जाए वही हनुमान हैः मनावत

भोपाल(काप्र)। तुलसी मानस प्रतिष्ठान मानस भवन में संजीव पुरी एवं श्रीमती संध्या पुरी के सौजन्य से श्री हनुमान जयंती महोत्सव के अंतर्गत हनुमत कथा के समापन दिवस पर देश के सुप्रसिद्ध रामकथा मर्मज्ञ पं.श्याम मनावत ने कहा श्री हनुमान जी अशोक वाटिका में सीताजी के सामने पर्वताकार रूप दिखाते हैं लेकिन तत्काल ही लघु रूप में आ जाते है। यह देखकर सीताजी को पूर्ण भरोसा हो जाता है कि श्री हनुमान ही रामकाज के अधिकारी है। आपने कहा कि प्रत्येक सनातनी का कर्तव्य है कि अपने घर आंगन में तुलसी का पौधा अवश्य लगायें इससे न केवल सात्विक भाव जाग्रत होते है बल्कि पर्यावरण की शुद्धि भी होती है।

मुख्य अतिथि राजेन्द्र शर्मा संयोजक तुलसी मानस प्रतिष्ठान एवं अध्यक्षता करते हुए प्रभुदयाल मिश्र ने सत्संग की महिमा बताई तथा महाराजश्री एवं उपस्थित सुधी श्रोताओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। श्री हनुमान जन्मोत्सव के शुभारंभ में संगीतमय सुंदरकांड का पारायण के साथ पूजन, अर्चन, हवन एवं महाप्रसादी के साथ समापन हुआ। महाराजश्री के स्वागत करने वालों में रघुनंदन शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, संजीव कुमार पुरी, श्रीमती संध्या पुरी, कैलाश जोशी, प्रभुदयाल मिश्र, महेश दुबे, अरूण गुप्ता एवं श्रीमती श्रद्धा गुप्ता,शारदा शिशु मंदिर के सचिव गोपाल सिंह राजपूत, बीकेसांघी, सुरजीत सिंह चौहान, उपेन्द्र सिंह तोमर, राजेन्द्र दीक्षित उपस्थित थे।

विद्यालय सबके लिएः समाज के लिए एक पहल

भोपाल (काप्र)।

टेक्नो इंडिया ग्रुप पब्लिक स्कूल में पॉश ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के प्रिंसिपल्स, स्टेकहोल्डर्स और शिक्षकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय की शिक्षिकाओं मोहिनी देशमुख और संजना यादव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ज़ेबा खान ने रिसोर्स पर्सन शिखा छिब्बर का पुष्पगुच्छ से सम्मान किया। विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षिका सिद्धि मैडम ने वेल्कम सॉन्ग गाया। कार्यक्रम का संचालन आकाश सर और कृतिका मैडम ने किया।

विद्यालय की प्राचार्य डॉ. ज़ेबा खान ने सभी उपस्थित प्रिंसिपल्स, शिक्षकों और विद्यालय कर्मचारियों को पॉश की विषय में जानकारी दी और पॉश और पॉक्सो में अंतर समझाया। शिखा छिब्बर, जो क्रिमिनल लॉ एक्सपर्ट हैं, ने पॉश एक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी और इसके इम्प्लीमेंटेशन के बारे में बताया। उन्होंने कई उदाहरण प्रस्तुत किए ताकि सभी को आसानी से समझ में आ जाए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रिंसिपल्स और शिक्षकों ने विद्यालय के इस प्रयास की सराहना की और एक सुरक्षित माहौल बनाने के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझा। सभी ने यह भी प्रतिबद्धता जताई कि वे भी अपने विद्यालयों में इस तरह की ट्रेनिंग आयोजित करेंगे, जिससे सभी का अधिक से अधिक फायदा हो।

एक महोत्सव श्री हनुमान संग श्री श्याम के नाम, नगरवासियों को दिया निमंत्रण

भोपाल(काप्र)।

दीपेश श्रीवास्तव ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि श्री हनुमंत चरण सेवा समिति के तत्वाधान में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर रविवार को श्री दुर्गा मंदिर शाहजहांनाबाद पर आयोजित एक महोत्सव श्री हनुमान संग श्री श्याम के नाम के आयोजन हेतु आज पूरे भोपाल नगर में सभी धर्मप्रेमी बन्धुओ को होने वाली महा आरती,खाटू श्याम भजन संध्या एवं भंडारे हेतु निमंत्रण पत्र बाँटकर निमंत्रित किया गया। इस अवसर पर आयोजन अध्यक्ष आकाश यादव ने आयोजन के निमंत्रण पत्र बांटकर श्रधालुओं से आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में पधारने का निवेदन किया। आकाश यादव ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रविवार को शाम 7 बजे मन्दिर में महा आरती,विशाल भंडारा एवं श्री हनुमान संग श्री खाटू श्याम के नाम भजन संध्या का आयोजन जयपुर की सुप्रसिद्ध भजन गायिका कृपा पटेल आष्टा प्रसिद्ध गायक आमोद जैन व भोपाल की भजन गायिका वेष्णवी राय द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर खाटू श्याम का सुशोभित दरबार,अयोध्या के राम लला एवं बाल हनुमान की झांकी में सुशोभित रहेगी। इस अवसर पर दीपेश श्रीवास्तव, संजय सिसोदिया, शुभम मुद्गल, सुबोध जैन, मनोज श्रीवास्तव,राकेश सोनी, मनोज साहू, शैलेश ठाकुर, नितेश यादव, गिरवर नागर, सचिन रायकवार, सचिन चंडालिया सहित समिति के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्पेशल खबर *एनआईटीटीटीआर भोपाल में शोध सम्मेलन का समापन...*

सेवा को साधना बनाने वाली शासिका थीं लोकनायिका अहिल्याबाईः कृष्णा गौर

भोपाल(काप्र)।

एनआईटीटीटीआर भोपाल में अखिल भारतीय शोध सम्मेलन का समापन हुआ। इस शोध सम्मेलन का विषय लोकमाता अहिल्याबाई राष्ट्र पुनरुत्थान की संकल्पना था जिसके अंतर्गत 5 विषयों पर 120 शोध पत्रों की देश भर से आए विद्वानों और शोधार्थियों ने प्रस्तुति दी। समापन सत्र की मुख्य अतिथि श्रीमती कृष्णा गौर राज्यमंत्री, स्वतंत्र प्रभार मध्यप्रदेश शासन थी।

श्रीमती गौर ने लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन समर्पण को संबोधित करते हुए कहा की यह शोध सम्मेलन न केवल हमारे समृद्ध अतीत का स्मरण है, बल्कि यह एक वैचारिक नींव है, जो भविष्य की दिशा तय करने में सहायक सिद्ध होगी। लोकमाता अहिल्याबाई ने सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत पर शासन करते हुए भारतीय प्रशासनिक आदर्शों को नया स्वरूप दिया। उनके शासन में सेवा ही साधना थी, और यही भावना आज के भारत के नव निर्माण की प्रेरणा बन सकती है। यह सम्मलेन लोकमाता अहिल्याबाई का स्मरण ही नहीं एक संकल्प है। सत्र के मुख्य वक्ता दीपक विस्पुते ने कहा कि शोधार्थी केवल वही न पढ़ें जो पाठ्यक्रम में है, बल्कि विषय के मूल में जाकर चिंतन करें, स्वतंत्र शोध करें। भारत की बौद्धिक परंपरा के साथ अतीत में जो छल हुआ है, उसे शोध और विचार के माध्यम से पुनः उजागर किया जाना चाहिए। उनके शासनकाल में मंदिरों का पुनर्निर्माण, धार्मिक स्थलों का संरक्षण, लोक-शिक्षा का विस्तार और समाज कल्याण के कार्यों को बहुत अधिक महत्व दिया गया। प्रो. सचिन तिवारी, सचिव आयोजन समिति ने शोध सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. पी.के पुरोहित, समन्वयक आयोजन समिति ने आभार ज्ञापित कहा करते हुए कहा कि इस सम्मेलन में उत्पन्न हुए विचार, संवाद और शोध भारत में एक शैक्षणिक पुनर्जागरण की ओर प्रेरित करेंगे। यह आयोजन न केवल लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन-दर्शन को पुनः समझने का प्रयास है, बल्कि उनके आदर्शों को वर्तमान शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य से जोड़ने की एक सकारात्मक पहल भी है। इस अवसर पर शोध पत्रों की सार पुस्तिका का विमोचन किया गया। सम्मेलन के सहयोगी संस्थानों से उनके कुलगुरु आदि सम्मानित गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती बबली चतुर्वेदी द्वारा किया गया।